Toppersnotes®
Unleash the topper in you

Rajasthan – CET

स्नातक स्तर

सामान्य पात्रता परीक्षा (CET)

भाग - 3

भारत का सामान्य ज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	इतिहास	1
2	1857 का विद्रोह एवं उसके परिणाम	38
3	राष्ट्रीय आंदोलन (1905–1919)	41
4	गांधी युग और राष्ट्रीय आंदोलन (1919–1940)	44
5	स्वतंत्रता की ओर (1940 – 1947)	51
6	स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण	54
7	भारत की भौगोलिक स्थिति	64
8	भारत की संरचना और भू–आकृति	68
9	अपवाह तंत्र	81
10	जलवायु एवं भारतीय मानसून	90
11	मृदा	95
12	फसलें	99
13	भारत में खनिज	102
14	भारत में उद्योग	104
15	भारत में परिवहन	108
16	वन्यजीव सरंक्षण	113
17	भारतीय संविधान का निर्माण	121
18	भारतीय संविधान की विशेषताएँ	125
19	प्रस्तावना	130
20	मूल अधिकार	132
21	नीति निदेशक सिद्धांत	137
22	मौलिक कर्तव्य	139
23	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	140

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	146
25	संसद	148
26	न्यायपालिका	155
27	संविधान संशोधन	163
28	संवैधानिक एवं गैर–संवैधानिक निकाय	167
29	आपातकालीन प्रावधान	171
30	भारत में आर्थिक नियोजन	173
31	राष्ट्रीय आय	176
32	बजट	178
33	राजकोषीय नीति	181
34	कराधान	182
35	मुद्रा और मुद्रास्फीति	185
36	भारत में बैंकिंग और मौद्रिक नीति	190
37	कृषि क्षेत्र	195
38	उद्योग और सेवा क्षेत्र	199

1 CHAPTER इतिहास

भारतीय इतिहास की समयरेखा

प्राचीन भारतीय इतिहास :

काल / वर्ष	घटना
2500–1500 ईसा पूर्व	सिंधु घाटी सभ्यता
1500–1000 ईसा पूर्व	ऋग्वैदिक काल
1000–600 ईसा पूर्व	उत्तर वैदिक काल
लगभग 1400 ईसा पूर्व	दस राजाओं का युद्ध (दशराज्ञ युद्ध)
600–323 ईसा पूर्व	महाजनपद काल
563 ईसा पूर्व	गौतम बुद्ध का जन्म
540 ईसा पूर्व	महावीर स्वामी का जन्म
483 ईसा पूर्व	प्रथम बौद्ध संगीति; बुद्ध का महापरिनिर्वाण
468 ईसा पूर्व	महावीर स्वामी का निर्वाण
326 ईसा पूर्व	सिकंदर का भारत पर आक्रमण
326 ईसा पूर्व	हाइडेस्पीज (झेलम) का युद्ध
लगभग 300 ईसा पूर्व	प्रथम जैन संगीति
261 ईसा पूर्व	कलिंग युद्ध
183 ईसा पूर्व	प्रथम इंडो-ग्रीक (यवन) आक्रमण
57 ईसा पूर्व	विक्रम (मालव) संवत का प्रारंभ
78 ईस्वी	शक संवत का प्रारंभ
319 ईस्वी	गुप्त संवत का प्रारंभ (चंद्रगुप्त प्रथम)
399 ईस्वी	चीनी यात्री फाह्यान का भारत आगमन
413 ईस्वी	नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना (कुमारगुप्त प्रथम)
570 ईस्वी	पैगंबर मुहम्मद का जन्म (मक्का)
606 ईस्वी	हर्ष संवत का प्रारंभ
618 ईस्वी	रेवाँ (नर्मदा) का युद्ध – पुलकेशिन द्वितीय ने हर्ष को पराजित किया
630 ईस्वी	चीनी यात्री ह्वेनसांग (युआनच्वांग) का भारत आगमन

मध्यकालीन भारतीय इतिहास :

वर्ष (ईस्वी)	घटना
712	प्रथम अरब आक्रमण (मुहम्मद बिन कासिम)
986	प्रथम तुर्क आक्रमण
1000	महमूद गजनवी का प्रथम आक्रमण
1191	तराइन का प्रथम युद्ध
1192	तराइन का द्वितीय युद्ध
1192	ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का भारत आगमन
1194	चंदावर का युद्ध
1199	कुतुब मीनार की नींव रखी गई
1206	दिल्ली सल्तनत में गुलाम (ममलूक) वंश की स्थापना
1281	चंगेज़ ख़ान का भारत पर आक्रमण
1293	जलालुद्दीन खिलजी के समय दक्षिण भारत पर पहला मुस्लिम आक्रमण
1333	मोरक्को के यात्री इब्न बतूता का भारत आगमन
1398	तैमूर लंग का भारत पर आक्रमण

1498	वास्को-डी-गामा का भारत आगमन
1504	सिकंदर लोदी द्वारा आगरा नगर की स्थापना
1517	खातोली का युद्ध
1519	बाबर का प्रथम आक्रमण
1526	पानीपत का प्रथम युद्ध
1527	खानवा का युद्ध
1528	चंदेरी का युद्ध
1529	घाघरा का युद्ध
1532	दौहरिया (दौराहरा) का युद्ध
1539	चौसा का युद्ध
1540	कन्नौज (बिलग्राम) का युद्ध
1542	शेरशाह सूरी की आगरा में विजय
1556	पानीपत का द्वितीय युद्ध
1560	हरम (पर्दा) प्रशासन की शुरुआत
1563	अकबर द्वारा सती प्रथा और तीर्थ-कर समाप्त
1570	मनसबदारी व्यवस्था का प्रारंभ
1575	फतेहपुर सीकरी में इबादतखाना की स्थापना
1576	हल्दीघाटी का युद्ध
1580	दहसाला (ज़ब्त) भू-राजस्व व्यवस्था लागू
1582	दीन-ए-इलाही की शुरुआत
1600	ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना
1605	अकबर की मृत्यु; जहाँगीर का शासनारंभ
1608	अंग्रेज कप्तान विलियम हॉकिन्स का जहाँगीर दरबार में आगमन
1613	सूरत में ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थायी स्थापना
1622	जहाँगीर द्वारा शहज़ादा खुसरो का बुरहानपुर में वध
1627	छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म
1632	ताजमहल की नींव रखी गई
1638	दिल्ली में लाल किले की नींव रखी गई
1658	बहादुरपुर, धर्मत एवं सामूगढ़ के युद्ध
1665	पुरंदर की संधि
1668	जेराल्ड औंगियर द्वारा बंबई नगर की स्थापना
1680	शिवाजी महाराज की मृत्यु
1699	खालसा पंथ की स्थापना
1707	औरंगज़ेब तथा गुरु गोबिंद सिंह की मृत्यु; मुगल साम्राज्य के पतन की शुरुआत

आधुनिक भारतीय इतिहास :

वर्ष	घटना
1739	नादिरशाह का भारत पर आक्रमण
1756	ब्लैक होल ऑफ कलकत्ता की घटना
1757	प्लासी का युद्ध
1760	वांडीवाश का युद्ध – भारत में फ्रांसीसी शक्ति का अंत
1764	बक्सर का युद्ध
1765	बंगाल में द्वैध शासन प्रणाली लागू
1773	रेगुलेटिंग एक्ट पारित; वॉरेन हेस्टिंग्स बंगाल के प्रथम गवर्नर-जनरल नियुक्त
1774	कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना
1780	भारत का पहला समाचारपत्र 'बंगाल गजट' प्रकाशित
1784	एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना
1793	स्थायी बंदोबस्त लागू; चार्टर एक्ट 1793 पारित
1798	लॉर्ड वेलेजली द्वारा सहायक संधि की शुरुआत
1799	चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध में टीपू सुल्तान की मृत्यु
1806	वेल्लोर में प्रथम सैनिक विद्रोह
1809	अमृतसर की संधि
1816	नेपाल और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच सुगौली की संधि
1818	कोरेगांव का युद्ध – मराठों की ब्रिटिशों से पराजय
1820	हेक्टर मुनरो द्वारा रैयतवाड़ी व्यवस्था लागू
1829	लॉर्ड विलियम बेंटिंक द्वारा सती प्रथा का उन्मूलन
1833	लॉर्ड विलियम बेंटिंक भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल बने
1835	मैकॉले की अंग्रेजी शिक्षा संबंधी सिफारिशें लागू
1847	रुड़की में प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना
1848	लॉर्ड डलहौजी द्वारा व्यपगत का सिद्धांत लागू
1853	भारत में रेल सेवाओं की शुरुआत
1854	चार्ल्स वुड का शिक्षा संबंधी वूड्स डिस्पेच लागू

1856	विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित
1857	मेरठ से प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का प्रारंभ
1858	लॉर्ड कैनिंग भारत के प्रथम वायसराय बने; भारत शासन अधिनियम पारित
1860	आयकर विभाग की स्थापना
1861	भारतीय दंड संहिता लागू
1862	कलकत्ता में भारत का प्रथम उच्च न्यायालय स्थापित
1872	भारत में जनगणना कार्य का प्रारंभ
1878	वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू
1881	नियमित जनगणना की शुरुआत
1882	भारत में स्थानीय स्वशासन की शुरुआत

आधुनिक भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ (1885–1950 के दशक तक)

वर्ष	प्रमुख घटना/घटनाएँ
1885	ए. ओ. ह्यूम द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना
1895	गणेश उत्सव (गणपति उत्सव) की शुरुआत (लोकमान्य तिलक द्वारा लोकप्रिय)
1896	कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार “वंदे मातरम्” गाया गया
1897	रामकृष्ण मिशन की स्थापना; बेलूर मठ की स्थापना
1903	आपराधिक अन्वेषण विभाग (CID) की स्थापना
1904	भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम पारित
1905	बंगाल विभाजन की घोषणा
1906	ढाका में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना
1907	सूरत अधिवेशन – कांग्रेस में प्रथम विभाजन
1908	मुजफ्फरपुर बम कांड; खुदीराम बोस को फाँसी
1909	मॉर्ले–मिंटो सुधार; मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल
1911	दिल्ली दरबार में बंगाल विभाजन रद्द; गेटवे ऑफ इंडिया की नींव
1912	दिल्ली को ब्रिटिश भारत की राजधानी बनाया गया; दिल्ली षड्यंत्र केस
1913	लाला हरदयाल द्वारा सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) में गदर पार्टी की स्थापना
1914	कामागाटामारू घटना
1915	हरिद्वार में मदन मोहन मालवीय द्वारा हिंदू महासभा की स्थापना
1916	लखनऊ समझौता; तिलक एवं एनी बेसेन्ट द्वारा होम रूल लीग की शुरुआत
1917	चंपारण सत्याग्रह; सैडलर आयोग (शिक्षा) का गठन
1918	अहमदाबाद एवं खेड़ा सत्याग्रह; कांग्रेस में दूसरा विभाजन
1919	मोंटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार; रॉलेट एक्ट; जलियांवाला बाग हत्याकांड
1920	असहयोग आंदोलन की पृष्ठभूमि; बाल गंगाधर तिलक का निधन
1921	दिल्ली में इंडिया गेट की नींव; मालाबार में मोपला विद्रोह
1922	4 फरवरी – चौरी-चौरा कांड; असहयोग आंदोलन वापस लिया गया
1923	सी. आर. दास द्वारा स्वराज पार्टी की स्थापना
1924	हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) की स्थापना
1925	9 अगस्त – काकोरी कांड; राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की स्थापना
1926	भगत सिंह द्वारा पंजाब में नौजवान भारत सभा की स्थापना
1927	रियासतों पर बटलर समिति का गठन
1928	साइमन कमीशन का आगमन; लाला लाजपत राय की मृत्यु; नेहरू रिपोर्ट
1929	लाहौर अधिवेशन – जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में पूर्ण स्वराज की मांग
1930	सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत; दांडी नमक यात्रा

1931	गांधी–इरविन समझौता; सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित
1931	23 मार्च – भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को फाँसी
1932	कम्यूनल अवार्ड की घोषणा; गांधी–अंबेडकर (पूना) समझौता
1934	कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना
1935	भारत शासन अधिनियम 1935; प्रांतीय स्वायत्तता लागू
1936	अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना
1937	महात्मा गांधी द्वारा वर्धा शिक्षा योजना प्रस्तावित
1938	हरिपुरा अधिवेशन – सुभाष चंद्र बोस की अध्यक्षता

1939	त्रिपुरी अधिवेशन; सुभाष चंद्र बोस का त्यागपत्र
1940	अगस्त प्रस्ताव; पाकिस्तान की मांग; व्यक्तिगत सत्याग्रह की शुरुआत
1942	क्रिप्स मिशन; 8 अगस्त – भारत छोड़ो आंदोलन
1944	सार्जेंट योजना (शिक्षा); सी. आर. फार्मूला
1945	वेवेल योजना, शिमला सम्मेलन; संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की स्थापना
1946	नौसैनिक विद्रोह; कैबिनेट मिशन योजना
1947	3 जून – माउंटबेटन योजना; 15 अगस्त – भारत स्वतंत्र
1948	ऑपरेशन पोलो द्वारा हैदराबाद का भारत में विलय
1954	भारत–चीन पंचशील समझौता

प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास

महत्वपूर्ण कालखंड या समयावधि

काल	**प्रमुख घटनाएँ / विशेषताएँ**
प्रागैतिहासिक काल (लगभग 3000 ईसा पूर्व – 2500 ईसा पूर्व)	इस काल में मानव का बौद्धिक विकास हुआ। प्रारंभिक मानव पत्थर के औजारों का उपयोग करता था।
सिंधु घाटी सभ्यता काल (2600–1900 ईसा पूर्व)	यह विश्व की प्राचीनतम नगरीय सभ्यताओं में से एक है। यह कांस्य-पाषाण (ताम्र-पाषाण) संस्कृति मानी जाती है।
वैदिक काल (लगभग 1500 ईसा पूर्व – 600 ईसा पूर्व)	वैदिक संस्कृति का विकास; वेदों की रचना।
मौर्य काल (लगभग 321 ईसा पूर्व – 185 ईसा पूर्व)	मौर्य साम्राज्य का उदय; चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक महान जैसे शासक।
गुप्त काल (लगभग 320 ईस्वी – 647 ईस्वी)	गुप्त साम्राज्य का उत्कर्ष; कला, साहित्य, विज्ञान और शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति।
हर्षवर्धन काल (लगभग 606 ईस्वी – 647 ईस्वी)	वर्धन वंश का शासन; उत्तर भारत में राजनीतिक एकता का प्रयास।
पल्लव काल (लगभग 275 ईस्वी – 897 ईस्वी)	दक्षिण भारत में पल्लव वंश का शासन; कला और स्थापत्य में प्रगति।
चालुक्य काल (लगभग 540 ईस्वी – 753 ईस्वी)	दक्षिण भारत में शक्तिशाली चालुक्य साम्राज्य का उदय।
राष्ट्रकूट काल (लगभग 753 ईस्वी – 973 ईस्वी)	दक्षिण भारत में राष्ट्रकूट वंश का शासन; दो शताब्दियों से अधिक समय तक प्रभावी साम्राज्य।
गुर्जर–प्रतिहार काल (लगभग 550 ईस्वी – 800 ईस्वी)	उत्तर भारत में शक्तिशाली गुर्जर–प्रतिहार राज्य की स्थापना।
पाल काल (लगभग 750 ईस्वी – 1174 ईस्वी)	पूर्वोत्तर भारत में पाल वंश का शासन; बौद्ध धर्म का संरक्षण।
सोमवंशी काल (लगभग 900 ईस्वी – 1200 ईस्वी)	मध्य भारत में सोमवंशी वंश का प्रभावशाली शासन।

चौहान काल (लगभग 900 ईस्वी – 1200 ईस्वी)	उत्तर भारत में चौहान वंश का शक्तिशाली राज्य।
चंदेल काल (लगभग 950 ईस्वी – 1100 ईस्वी)	खजुराहो के चंदेल शासक; भव्य खजुराहो मंदिरों का निर्माण, भारतीय स्थापत्य के उत्कृष्ट उदाहरण।
विजयनगर काल (लगभग 1336 ईस्वी – 1565 ईस्वी)	दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य का उदय; शक्तिशाली राज्य का विकास।
मुगल काल (लगभग 1526 ईस्वी – 1857 ईस्वी)	भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना; विशाल एवं प्रभावशाली साम्राज्य का विस्तार।

हड़प्पा सभ्यता से संबंधित प्रमुख स्थल

स्थल	नदी	खोजकर्ता / वर्ष	स्थल से प्राप्त प्रमुख पुरावस्तुएँ
हड़प्पा (पंजाब, पाकिस्तान)	रावी	दयाराम साहनी (1921), जॉन मार्शल के निर्देशन में	16 भट्टियाँ; धोती पहने पुरुष की मूर्ति; दो पंक्तियों में 6-6 अन्नागार; मातृदेवी मूर्तियाँ; कब्रिस्तान R-37; मछुआरे के चित्रण वाला पात्र; पत्थर की नटराज आकृति
मोहनजोदड़ो (सिंध, पाकिस्तान)	सिंधु	आर. डी. बनर्जी (1922), जॉन मार्शल के निर्देशन में	मृतकों का टीला; विशाल अन्नागार; महान स्नानागार; पशुपति मुहर; पक्के स्नानघर; कांस्य नर्तकी; पुरोहित-राजा की मूर्ति (स्टियाटाइट); दुर्ग एवं निचला नगर; लगभग 700 कुएँ; दाह संस्कार के बाद दफन
सुत्कागेंडोर (बलूचिस्तान, पाकिस्तान)	दश्त	ऑरेल स्टीन (1927)	राख से भरा पात्र; तांबे की कुल्हाड़ी; मेसोपोटामिया व्यापार हेतु बंदरगाह; मिट्टी की चूड़ियाँ
चन्हुदड़ो (सिंध, पाकिस्तान)	सिंधु	एम. जी. मजूमदार (1931)	शिल्प केंद्र: मनका निर्माण, शंख कटाई, मुहर व बाट निर्माण; कुत्ते के पंजे का चिन्ह; टेराकोटा बैलगाड़ी; कांस्य खिलौना गाड़ी
कालीबंगा (राजस्थान)	दृषद्वती (घग्गर/सरस्वती)	अमलानंद घोष (1953); बी. बी. लाल (1960 के दशक)	चूड़ी कारखाना; जूते हुए खेत; अग्निकुंड; गेहूँ-जौ की फसल के चिन्ह; पक्की ईंट की नालियाँ; तांबे के अवशेष; भूकंप के साक्ष्य; टेराकोटा हल
रोपड़ (रूपनगर, पंजाब)	सतलुज	वाई. डी. शर्मा (1953)	स्वतंत्रता के बाद पहली खुदाई; कुत्ते-मानव संयुक्त दफन; तांबे की कुल्हाड़ी; शंख की चूड़ियाँ
लोथल (गुजरात)	भोगवा–साबरमती संगम	एस. आर. राव (1954–63)	गोदीवाड़ा (बंदरगाह); चावल के भूसे के अवशेष; कृषि; मेसोपोटामिया से व्यापार; युगल समाधि; मनका निर्माण; हाथी-दाँत की स्केल; नाव के मॉडल; अग्निकुंड; कार्नेलियन पत्थर
आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश)	हिंडन (यमुना की सहायक)	वाई. डी. शर्मा (1958)	हड़प्पा संस्कृति का पूर्वतम स्थल; तांबे की छुरी; कपड़े की छाप; आटा बेलने का तख्ता
धौलावीरा (गुजरात, कच्छ)	मानहर व मंसार (लूणी बेसिन)	जे. पी. जोशी (1967); आर. एस. बिष्ट (1990–2005)	यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (2021); पत्थर के जलाशय; अभिलेखित साइनबोर्ड; खगोलीय वेधशाला; तीन भागों में विभाजित नगर योजना; पत्थर की नेवले की मूर्ति

राखीगढ़ी (हरियाणा)	घग्घर	अमरेंद्र नाथ (1997); बाद में सुरज भान व वसंत शिंदे	सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल; प्रारंभिक, परिपक्व व उत्तर चरण; नियोजित नगर; कूदने का खेल (हॉपस्कॉच); मंच पर अग्निकुंड
बनावली (हरियाणा)	रंगोई	आर. एस. बिष्ट (1974–77)	प्रारंभिक व उत्तर हड़प्पा चरण; जौ के दाने; लैपिस लाजुली; अग्निकुंड; टेराकोटा हल; हड़प्पाई स्थापत्य के प्रमाण; मिट्टी के पहिए की प्रतिकृति
शोर्तुगई (अफगानिस्तान)	ऑक्सस (अमू दरिया)	फ्रांसीसी पुरातात्विक मिशन (1970 का दशक, हेनरी-पॉल फ्रैंकफोर्ट)	उत्तरतम हड़प्पा स्थल; लैपिस लाजुली व्यापार; कार्नेलियन व फ़िरोज़ा मनके; भंडारण पात्र
कोट दीजी (पाकिस्तान)	सिंधु	एफ. ए. खान (1953)	पूर्व-हड़प्पा संस्कृति के साक्ष्य
मांडा (जम्मू-कश्मीर)	चिनाब	जे. पी. जोशी (1982)	मिट्टी के बर्तन
रंगपुर (गुजरात)	मदार	एस. आर. राव (1953)	चावल की खेती के प्रमाण
सुरकोटड़ा (गुजरात)	सरस्वती	1964	घोड़े की हड्डियों के प्रमाण

महत्वपूर्ण तथ्य:

- हड़प्पा के पुरातात्विक साक्ष्य पहली बार 1921 में दयाराम साहनी द्वारा सर जॉन मार्शल के निर्देशन में खोजे गए।
- लोथल को सिंधु घाटी सभ्यता की वाणिज्यिक (बंदरगाह) राजधानी माना जाता है।
- सिंधु सभ्यता के लोग लोहे से परिचित नहीं थे; वे मुख्यतः तांबा और कांस्य का उपयोग करते थे।
- यह एक अत्यंत विकसित नगरीय सभ्यता थी जिसकी विशेषता सुनियोजित नगर योजना एवं विकसित जल-निकास प्रणाली थी।
- चन्हुदड़ो से ग्रामीण बस्ती के साक्ष्य प्राप्त होते हैं।
- सिंधु लिपि चित्रात्मक प्रकृति की थी और आज तक अपठित (अव्याख्येय) है अर्थात् इसे अभी तक पढ़ा नहीं गया है।
- मोहनजोदड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल माना जाता है।
- राखीगढ़ी भारत में स्थित सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है।
- रोपड़ से नवपाषाण, ताम्रपाषाण एवं सिंधु सभ्यता के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- सिन्धु घाटी सभ्यता का विस्तार:
  - ✓ उत्तर में – **मांडा (जम्मू)**, चेनाब नदी के तट पर।
  - ✓ दक्षिण में – **दैमाबाद (महाराष्ट्र)**, गोदावरी नदी के तट पर।
  - ✓ पूर्व में – **आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश)**, हिंडन नदी के तट पर।
  - ✓ पश्चिम में – **सुत्कागेंडोर (पाकिस्तान)**, दश्त नदी के तट पर।

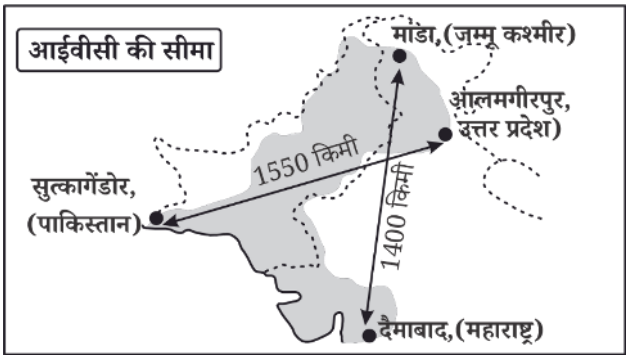

प्रमुख संस्कृत सूक्तियाँ / उक्तियाँ एवं उनके स्रोत:

क्रम सं.	सूक्ति	मूल संस्कृत	स्रोत ग्रंथ
1	सत्य ही विजयी होता है	सत्यमेव जयते	मुण्डकोपनिषद
2	गायत्री मंत्र	ॐ भूर्भुवः स्वः...	ऋग्वेद (तृतीय मंडल)
3	अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो	तमसो मा ज्योतिर्गमय	बृहदारण्यक उपनिषद
4	यम और नचिकेता का संवाद	यम–नचिकेता संवाद	कठोपनिषद
5	सभी सुखी हों	सर्वे भवन्तु सुखिनः	बृहदारण्यक उपनिषद
6	समस्त विश्व एक परिवार है	वसुधैव कुटुम्बकम्	महा उपनिषद
7	अतिथि देव के समान है	अतिथि देवो भव	तैत्तिरीय ब्राह्मण
8	मैं ही ब्रह्म हूँ	अहं ब्रह्मास्मि	बृहदारण्यक उपनिषद

महत्वपूर्ण वैदिक साहित्य

वेद	उपवेद	ब्राह्मण	आरण्यक	उपनिषद	विवरण
ऋग्वेद	आयुर्वेद	ऐतरेय ब्राह्मण, कौषीतकि ब्राह्मण	ऐतरेय आरण्यक, कौषीतकि आरण्यक	ऐतरेय उपनिषद, कौषीतकि उपनिषद	➢ पुरोहित: होतृ (मुख्य याजक) ➢ 1,028 सूक्त एवं 10,462 मंत्र (ऋचाएँ) ➢ 10 मंडलों में विभाजित ✓ प्राचीनतम: 2 से 7 मंडल ✓ नवीनतम: 10वाँ मंडल ➢ गायत्री मंत्र – तृतीय मंडल ➢ चतुर्थ मंडल – कृषि संदर्भ ➢ नवम मंडल – सोम ➢ दशराज्ञ युद्ध का उल्लेख ➢ वैदिक संस्कृत में रचित ➢ अग्नि, इंद्र, वरुण, सोम आदि देवताओं को समर्पित
सामवेद	गंधर्ववेद	तैत्तिरीय ब्राह्मण, ताण्ड्य ब्राह्मण	जैमिनीय आरण्यक, छांदोग्य आरण्यक	छांदोग्य उपनिषद, केन उपनिषद	➢ पुरोहित: उद्गाता (गायक याजक) ➢ संगीतात्मक स्वर-चिह्नों हेतु प्रसिद्ध ➢ ऋग्वेद के मंत्रों पर आधारित साम (धुनें) ➢ यज्ञों में प्रयुक्त ➢ 1,875 मंत्र (अधिकांश ऋग्वेद से) ➢ यज्ञों का केंद्रीय वेद

यजुर्वेद	धनुर्वेद	शतपथ ब्राह्मण, तैत्तिरीय ब्राह्मण	बृहदारण्यक आरण्यक	ईश उपनिषद, बृहदारण्यक उपनिषद	➢ पुरोहित: अध्वर्यु (कर्मकाण्डी याजक) ➢ प्रार्थना एवं अनुष्ठानों का वेद ➢ गद्य मंत्रों एवं यज्ञ विधियों पर केंद्रित ➢ दो भाग: शुक्ल यजुर्वेद (गद्य) एवं कृष्ण यजुर्वेद (पद्य) ➢ यज्ञ कर्म के लिए अनिवार्य
अथर्ववेद	शिल्पवेद	गोपथ ब्राह्मण	—	मुण्डक उपनिषद, माण्डूक्य उपनिषद	➢ पुरोहित: ब्रह्मा (याजक) ➢ जादू-टोना एवं तंत्र-मंत्र का वेद ➢ अनुष्ठान, मंत्र एवं उपचार से संबंधित ➢ दैनिक जीवन हेतु मंत्र, स्तोत्र एवं प्रार्थनाएँ ➢ आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों पक्षों से संबंधित

महत्वपूर्ण तथ्य:

- ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद को सामूहिक रूप से **त्रयी वेद** कहा जाता है।
- वेदों के संकलन का श्रेय परंपरागत रूप से **महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास** को दिया जाता है।
- यजुर्वेद दो भागों में विभाजित है:
  - ✓ **कृष्ण यजुर्वेद** (मुख्यतः गद्य रूप में)
  - ✓ **शुक्ल यजुर्वेद** (मुख्यतः पद्य/छंद रूप में)
- वेदांगों का अध्ययन करने वाले विद्वान को **उपाध्याय** कहा जाता है। वेदांगों की संख्या छह है:
  - ✓ शिक्षा, छंद, व्याकरण, ज्योतिष, कल्प, निरुक्त।
- पुराणों की रचना का श्रेय परंपरागत रूप से **ऋषि लोमहर्ष** तथा उनके पुत्र **उग्रश्रवा (सूत)** को दिया जाता है।
- जो ग्रंथ वन में निवास करते हुए रचे या अध्ययन किए गए, उन्हें **आरण्यक** कहा जाता है।
- ऋग्वैदिक देवताओं को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है:
  - ✓ **पार्थिव (स्थलीय) देवता** – सोम, अग्नि, बृहस्पति
  - ✓ **अंतरिक्षीय (वायुमंडलीय) देवता** – इंद्र, वायु
  - ✓ **दैविक (आकाशीय) देवता** – सूर्य, वरुण

महाजनपद (600 ईसा पूर्व – 323 ईसा पूर्व)

क्रम सं.	महाजनपद (आधुनिक क्षेत्र)	राजधानी	नदी	प्रमुख तथ्य
1	काशी (वाराणसी, उत्तर प्रदेश)	वाराणसी	गंगा	➢ शासक: ब्रह्मदत्त ➢ धार्मिक एवं व्यापारिक केंद्र; बाद में कोसल में विलय ➢ सूती वस्त्र एवं घोड़ा बाजार हेतु प्रसिद्ध।
2	कोसल (अयोध्या, उत्तर प्रदेश)	श्रावस्ती	सरयू	➢ प्रमुख शासक: प्रसेनजित; बुद्ध के समकालीन एवं मित्र।

3	अंग (पूर्वी बिहार)	चंपा	चंपा	➢ व्यापारिक केंद्र ➢ 6वीं शताब्दी ई.पू. में मगध द्वारा अधिग्रहित ➢ सुवर्णभूमि से समुद्री व्यापार।
4	वज्जि (उत्तर बिहार)	वैशाली	गंडक	➢ शासक: चेटक ➢ लिच्छवि एवं ज्ञात्रिक गणों का संघ ➢ विदेह प्रमुख कुल।
5	मल्ल (उत्तर प्रदेश)	कुशीनगर / पावा	गंडक, राप्ती	➢ कुशीनगर में बुद्ध का महापरिनिर्वाण; बाद में मगध में विलय।
6	चेदि (छत्तीसगढ़ / बुंदेलखंड)	सुक्तिमती	केन	➢ पूर्वी बुंदेलखंड क्षेत्र ➢ एक शाखा ने कलिंग में एक वंश की स्थापना की ➢ राजा शिशुपाल द्वारा शासन (महाभारत में उल्लेख)।
7	वत्स (इलाहाबाद क्षेत्र, उत्तर प्रदेश)	कौशांबी	यमुना	➢ शासक: शतनिक, उदयन ➢ शक्तिशाली राज्य ➢ सूती वस्त्रों हेतु प्रसिद्ध; राजतंत्र।
8	कुरु (दिल्ली क्षेत्र)	इंद्रप्रस्थ / हस्तिनापुर	यमुना	➢ शासक: परीक्षित, जनमेजय ➢ महाभारत का ऐतिहासिक केंद्र ➢ बुद्धकाल में कोरयव्य नामक मुखिया।
9	पांचाल (पश्चिमी उत्तर प्रदेश)	अहिच्छत्र एवं कांपिल्य	गंगा, रामगंगा	➢ शासक: प्रवाहण जैबाली। ➢ क्षेत्र: रोहिलखंड तथा मध्य दोआब के कुछ भाग। ➢ उत्तर पांचाल (अहिच्छत्र) एवं दक्षिण पांचाल (कंपिल्य) में विभाजित कन्नौज सम्मिलित।
10	मत्स्य (राजस्थान – जयपुर, अलवर, भरतपुर)	विराटनगर	सरस्वती, चंबल	➢ राजस्थान में स्थित। ➢ राजा सुजात ने मत्स्य एवं चेदि दोनों पर शासन किया। ➢ महाभारत के अनुसार राजा विराट द्वारा शासित।
11	शूरसेन (पश्चिमी उत्तर प्रदेश)	मथुरा	यमुना	➢ शासक: अवंतिपुत्र ➢ गणतंत्रीय शासन व्यवस्था ➢ अवंतिपुत्र बुद्ध के शिष्य थे; मथुरा कृष्ण की भूमि के रूप में भी प्रसिद्ध।
12	अश्मक (महाराष्ट्र)	पोटन / पोटली	गोदावरी	➢ दक्षिणतम महाजनपद ➢ इक्ष्वाकु क्षत्रियों द्वारा शासित। ➢ विंध्य के दक्षिण में स्थित एकमात्र व्यापारिक महाजनपद।
13	अवंति (मध्य प्रदेश)	महिष्मती / उज्जैन	क्षिप्रा	➢ दो भागों में विभाजित: उत्तरी अवंति (उज्जैन) एवं दक्षिणी अवंति (महिष्मती)। ➢ राजा प्रद्योत द्वारा शासित ➢ प्रमुख बौद्ध केंद्र।

14	गांधार (उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान)	तक्षशिला	सिंधु, काबुल	➢ शासक: पुष्करसारिन। ➢ शिक्षा एवं विद्या का प्रमुख केंद्र; पाणिनि (व्याकरणाचार्य) एवं कौटिल्य (चाणक्य) से संबंधित। ➢ व्यापार और शिक्षा के लिए प्रसिद्ध; बाद में फारस के डेरियस प्रथम द्वारा विजित।
15	कम्बोज (उत्तर-पश्चिम, राजपुरा क्षेत्र)	राजपुरा	काबुल, कुर्रम	➢ कौटिल्य के अर्थशास्त्र एवं अशोक के शिलालेख XIII में उल्लेखित। ➢ गणतंत्रीय शासन व्यवस्था का पालन। ➢ उत्तर-पश्चिमी सीमा पर स्थित; श्रेष्ठ घोड़ों एवं घुड़सवार सेना के लिए प्रसिद्ध।
16	मगध (दक्षिण बिहार)	गिरिव्रज (राजगृह)	गंगा, सोन	➢ साम्राज्यवाद की नीति का प्रारंभ किया। ➢ प्रारंभिक शासक: जरासंध एवं बृहद्रथ। ➢ वास्तविक संस्थापक: बिंबिसार एवं अजातशत्रु। ➢ हर्यक वंश द्वारा शासित; आगे चलकर साम्राज्य विस्तार का केंद्र बना।

बौद्ध धर्म

- संस्थापक: गौतम बुद्ध
- जन्म: 563 ईसा पूर्व (लुंबिनी, कपिलवस्तु – वर्तमान नेपाल)
- कुल: शाक्य कुल
- पिता: शुद्धोधन
- माता: माया / महामाया देवी
- पालन-पोषण: महाप्रजापती गौतमी द्वारा
- पत्नी: यशोधरा (भद्दकच्चाना / गोपा)
- पुत्र: राहुल
- अश्व: कंथक
- सारथि: छन्ना
- चार दृश्य (चतुर्दर्शन): वृद्ध व्यक्ति, रोगी व्यक्ति, मृत व्यक्ति तथा संन्यासी
- महाभिनिष्क्रमण (महात्याग): 29 वर्ष की आयु में
- गुरु: आलार कालाम (वैशाली) एवं उद्दक रामपुत्त (राजगृह)
- निर्वाण (ज्ञान प्राप्ति): 35 वर्ष की आयु में
  - ✓ बोधगया (बिहार) में निरंजना/फल्गु नदी के तट पर पीपल (बोधि) वृक्ष के नीचे 49 दिन की तपस्या के बाद
- धर्मचक्र प्रवर्तन: प्रथम उपदेश, मृगदाव (सारनाथ, वाराणसी के निकट) में
  - ✓ प्रथम पाँच शिष्यों को उपदेश दिया
- महापरिनिर्वाण: 483 ईसा पूर्व 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में
- अन्य नाम: सिद्धार्थ, बुद्ध, तथागत, शाक्यमुनि
- प्रमुख शिष्य: आनंद, सारिपुत्र, महामोग्गलान, महाकच्चायन

बौद्ध धर्म में विभिन्न प्रतीक

घटना	प्रतीक
जन्म	हाथी एवं कमल
महाभिनिष्क्रमण (संन्यास)	घोड़ा
ज्ञान प्राप्ति (निर्वाण)	पीपल (बोधि) वृक्ष
प्रथम उपदेश (धर्मचक्र प्रवर्तन)	अष्टांग चक्र (8 तीलियाँ)
मृत्यु (महापरिनिर्वाण)	स्तूप

Toppersnotes Unleash the topper in you

प्रमुख बौद्ध संगीतियां

संगीति	स्थान	राजा एवं अध्यक्ष	प्रमुख परिणाम
प्रथम संगीति (483 ईसा पूर्व)	राजगृह (सप्तपर्णी गुफा)	➢ राजा: अजातशत्रु (हर्यक वंश) ➢ अध्यक्ष: महाकश्यप	➢ बुद्ध के उपदेशों का 'त्रिपिटक' के रूप में संकलन
द्वितीय संगीति (383 ईसा पूर्व)	वैशाली	➢ राजा: कालाशोक (शिशुनाग वंश) ➢ अध्यक्ष: सब्बकामीर	➢ संघ के आचार-विचार को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ, जिसके परिणामस्वरूप बौद्ध धर्म दो शाखाओं में विभाजित हुआ: ✓ **स्थविरवाद (थेरवाद)** – महाकच्चायन के नेतृत्व में। ✓ **महासांघिक** – महाकश्यप के नेतृत्व में।
तृतीय संगीति (250 ईसा पूर्व)	पाटलिपुत्र	➢ राजा: अशोक ➢ अध्यक्ष: मोग्गलिपुत्ततिस्स	➢ अभिधम्म पिटक में 'कथावत्थु' का समावेशन ➢ बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु विदेशों (विशेषकर श्रीलंका आदि) में मिशन भेजे गए।
चतुर्थ संगीति (72 ईस्वी)	कुंडलवन (कश्मीर)	➢ राजा: कनिष्क ➢ अध्यक्ष: वसुमित्र (सर्वास्तिवाद) ➢ उपाध्यक्ष: अश्वघोष	➢ पिटकों पर टीकाओं (भाष्यों) का संकलन किया गया। ➢ **महाविभाषा** ग्रंथ की रचना की गई। ➢ बौद्ध धर्म का स्पष्ट रूप से **महायान** एवं **हीनयान** में विभाजन हुआ।

बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांत

श्रेणी	प्रमुख अवधारणाएँ
चार आर्य सत्य	दुःख; दुःख का कारण (तृष्णा); दुःख निरोध; दुःख निरोध का मार्ग (अष्टांगिक मार्ग)
अष्टांगिक मार्ग	सम्यक दृष्टि; सम्यक संकल्प; सम्यक वाणी; सम्यक कर्म; सम्यक आजीविका; सम्यक प्रयास; सम्यक स्मृति; सम्यक समाधि
त्रिलक्षण (अस्तित्व के तीन लक्षण)	अनित्य (अनिका); दुःख (दुक्ख); अनात्म (अनत्ता)
पंच स्कंध	रूप; वेदना; संज्ञा; संस्कार; विज्ञान
त्रिरत्न	बुद्ध; धम्म (धर्म); संघ
त्रिकाय	धर्मकाय; संभोगकाय; निर्माणकाय

जैन धर्म

- **तीर्थंकर / जिन**: वह महापुरुष जो कठोर तपस्या द्वारा **कैवल्य ज्ञान (सर्वज्ञता)** प्राप्त करता है और लोक के लिए मार्गदर्शक बनता है।
- कुल तीर्थंकर: 24 (सभी क्षत्रिय कुल से)
- **24वें एवं अंतिम तीर्थंकर: महावीर स्वामी (निगंठ नातपुत्त)**
  - ✓ जन्म: 599 ईसा पूर्व, कुंडग्राम (वैशाली, बिहार)
  - ✓ कुल: ज्ञात्रिक (या ज्ञातृ) कुल
  - ✓ पिता: सिद्धार्थ
  - ✓ माता: त्रिशला (वैशाली के लिच्छवि राजकुमार चेटक की बहन)
  - ✓ पत्नी: यशोदा
  - ✓ पुत्री: प्रियदर्शना
  - ✓ दामाद: जामाली (प्रथम शिष्य)
  - ✓ संन्यास: 30 वर्ष की आयु में
  - ✓ कैवल्य ज्ञान (ज्ञान प्राप्ति): 42 वर्ष की आयु में
  - ✓ स्थान: जृंभिकग्राम (बिहार) में ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे
  - ✓ निर्वाण: 527 ईसा पूर्व, पावापुरी में, 72 वर्ष की आयु में
    - मल्लों एवं लिच्छवियों द्वारा दीपोत्सव के रूप में मनाया गया।

प्रमुख जैन तीर्थंकर

तीर्थंकर	प्रतीक	जन्मस्थान	निर्वाण स्थल	विवरण
ऋषभनाथ (आदिनाथ)	बैल	अयोध्या (कोसल)	कैलाश पर्वत	➢ प्रथम तीर्थंकर ➢ ऋग्वेद में उल्लेखित ➢ विष्णु पुराण के अनुसार विष्णु का एक अवतार
अजितनाथ	हाथी	अयोध्या	सम्मेद शिखर (पारसनाथ पहाड़, झारखंड)	➢ द्वितीय तीर्थंकर
सम्भवनाथ	घोड़ा	श्रावस्ती	सम्मेद शिखर	➢ तृतीय तीर्थंकर
मल्लिनाथ	कलश (जलपात्र)	मिथिला (बिहार)	सम्मेद शिखर	➢ उन्नीसवें तीर्थंकर
नेमिनाथ (अरिष्टनेमि)	शंख	सौरिपुर (बटेश्वर के निकट, उत्तर प्रदेश)	गिरनार पर्वत (गुजरात)	➢ बाइसवें तीर्थंकर
पार्श्वनाथ	सर्प	वाराणसी	सम्मेद शिखर	➢ तेइसवें तीर्थंकर ➢ पिता: अश्वसेन ➢ चार महाव्रतों के प्रवर्तक
महावीर (वर्धमान)	सिंह	कुंडग्राम (वैशाली, बिहार)	पावापुरी (बिहार)	➢ चौबीसवें एवं अंतिम तीर्थंकर

जैन धर्म के प्रमुख सिद्धांत

सिद्धांत / अवधारणा	विवरण
पाँच महाव्रत (पंच महाव्रत)	1. **अहिंसा:** किसी भी जीव के साथ हिंसा न करना 2. **सत्य:** सत्य बोलना 3. **अस्तेय:** चोरी न करना 4. **अपरिग्रह:** संग्रह न करना / अधिक वस्तुओं का त्याग 5. **ब्रह्मचर्य:** इन्द्रिय संयम / शुद्ध आचरण
त्रिरत्न (तीन रत्न)	1. **सम्यक ज्ञान** – सही ज्ञान 2. **सम्यक दर्शन** – सही दृष्टि / सम्यक आस्था 3. **सम्यक चरित्र** – सही आचरण
सल्लेखना / संथारा	जीवन के अंतिम चरण में आध्यात्मिक शुद्धि के लिए स्वेच्छा से उपवास द्वारा देह त्याग करना।
पुद्गल (द्रव्य / कर्मकण)	प्रत्येक जीव में कर्मरूपी सूक्ष्म पुद्गल कण होते हैं जो आत्मा की **लेश्या** (रंग / मानसिक अवस्था) को प्रभावित करते हैं; श्वेत लेश्या अच्छे चरित्र का प्रतीक है, जबकि कृष्ण लेश्या बुरे चरित्र का प्रतीक है।
स्याद्वाद (सापेक्ष कथन का सिद्धांत)	प्रत्येक वस्तु या सत्य को अनेक दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है; इसके सात संभावित सापेक्ष कथन होते हैं, जिन्हें **सप्तभंगी नय** कहा जाता है।

जैन धर्म से संबंधित संगीतियाँ

सभा	स्थान	अध्यक्षता	प्रमुख योगदान
प्रथम जैन संगीति (300 ईसा पूर्व)	पाटलिपुत्र (वर्तमान पटना)	स्थूलभद्र	➢ 12 अंगों (आगमिक ग्रंथों) का संकलन। ➢ जैन धर्म का श्वेताम्बर और दिगम्बर संप्रदायों में विभाजन।
द्वितीय जैन संगीति (512 ईस्वी)	वल्लभी (गुजरात)	देवर्धि क्षमाश्रमण	➢ आगम ग्रंथों का अंतिम संकलन एवं लिपिबद्ध किया जाना। ➢ 12 उपांगों का समावेश। ➢ महावीर और उनके शिष्यों की शिक्षाओं का संरक्षण।

महत्वपूर्ण अभिलेख एवं स्तूप

अभिलेख / स्तूप	स्थान	शासक / वंश	विशेष / उल्लेखनीय जानकारी
मास्की अभिलेख	रायचूर, कर्नाटक	अशोक	इसमें अशोक का नाम स्पष्ट रूप से "देवानामप्रिय" (देवताओं का प्रिय) उपाधि के साथ उल्लेखित है।
गुर्जरा अभिलेख	दतिया, मध्य प्रदेश	अशोक	इसमें अशोक के नाम का उल्लेख मिलता है।
एरण अभिलेख	सागर, मध्य प्रदेश	भानुगुप्त	इससे सती प्रथा तथा भारत में हूण आक्रमणों की जानकारी मिलती है।
लुम्बिनी / रुम्मिनदेई अभिलेख	लुम्बिनी, नेपाल	अशोक	इसमें उल्लेख है कि अशोक ने लुम्बिनी को कर से मुक्त किया।
दशपुर अभिलेख	मंदसौर, मध्य प्रदेश	यशोवर्मन	विश्व के प्रथम रेशम विज्ञापन का उल्लेख; सूर्य मंदिर का निर्माण; विक्रम संवत की तिथि का उल्लेख। वत्सभट्टी द्वारा रचित।
सांची अभिलेख	रायसेन, मध्य प्रदेश	अशोक	उल्लेख है कि बौद्ध उपासक सन्नसिद्ध की पत्नी हरिस्वामिनी ने काकनम (सांची) के आर्यसंघ को दान दिया।
तुमेन अभिलेख	अशोकनगर, मध्य प्रदेश	कुमारगुप्त प्रथम	कुमारगुप्त प्रथम के शासन की जानकारी; उन्हें "शरद ऋतु के सूर्य के समान" बताया गया है।
सुपिया अभिलेख	रीवा, मध्य प्रदेश	घटोत्कच	गुप्त वंश की वंशावली की जानकारी देता है।
हाथीगुम्फा अभिलेख	भुवनेश्वर, ओडिशा	खारवेल	भारत का तिथिहीन (अदिनांकित) अभिलेख।
गिरनार अभिलेख	जूनागढ़, गुजरात	रुद्रदामन	भारत का संस्कृत भाषा का प्रथम अभिलेख।
भितरी अभिलेख	उत्तर प्रदेश	स्कंदगुप्त	भारत में हूण आक्रमणों की जानकारी देता है।
प्रयाग प्रशस्ति	प्रयाग (इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश	समुद्रगुप्त	समुद्रगुप्त की सैन्य विजयों का वर्णन।

ऐहोल अभिलेख	ऐहोल, कर्नाटक	पुलकेशिन द्वितीय	इसमें उल्लिखित है कि पुलकेशिन द्वितीय ने राजा हर्ष को पराजित किया।
देवपाड़ा अभिलेख	देवपाड़ा, पश्चिम बंगाल	विजयसेन	संकट के समय खाद्य सुरक्षा की जानकारी देता है।
सोहगौरा अभिलेख	गोरखपुर, उत्तर प्रदेश	अशोक	अशोक के समय का मौर्यकालीन अभिलेख।
रूपनाथ अभिलेख	कटनी, मध्य प्रदेश	–	–
केसरिया स्तूप	बिहार	–	भारत का सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप
सांची स्तूप	रायसेन, मध्य प्रदेश	अशोक	भारत की सबसे प्राचीन पत्थर सरंचनाओं में से एक; 1818 में जनरल टेलर द्वारा खोजा गया; **1989 में** यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल घोषित।
भरहुत स्तूप	सतना, मध्य प्रदेश	शुंग वंश	शुंग काल में तोरण द्वार सहित विकसित; इसकी खोज 1873 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई।
बोरोबुदुर स्तूप	जावा, इंडोनेशिया	–	यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

महत्वपूर्ण संवत् / कालगणनाएँ

संवत् / कालगणना	**प्रारम्भ वर्ष**	**शासक / संबंधित तथ्य**
विक्रम / मालवा संवत्	57 ईसा पूर्व	उज्जैन के राजा विक्रमादित्य
शक संवत्	78 ईस्वी	कुषाण राजा कनिष्क
कलचुरी संवत्	248 ईस्वी	आभीर राजा ईश्वरसेन
गुप्त संवत्	319 ईस्वी	चन्द्रगुप्त प्रथम
हर्ष संवत्	606 ईस्वी	कन्नौज के राजा हर्षवर्धन
हिजरी / इस्लामी संवत्	622 ईस्वी	पैगंबर मुहम्मद द्वारा प्रारम्भ
कोल्लम संवत्	825 ईस्वी	मालाबार में आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित
लक्ष्मण संवत्	1190 ईस्वी	सेन वंश (बंगाल) के लक्ष्मण सेन
इलाही संवत्	1583 ईस्वी	मुगल सम्राट अकबर द्वारा प्रारम्भ

महत्वपूर्ण वंश, संस्थापक एवं राजधानी

वंश	**संस्थापक**	**राजधानी**
हर्यक वंश	बिम्बिसार	राजगृह, पाटलिपुत्र
शिशुनाग वंश	शिशुनाग	वैशाली, पाटलिपुत्र
नंद वंश	महापद्मनंद	पाटलिपुत्र
मौर्य वंश	चन्द्रगुप्त मौर्य	पाटलिपुत्र
शुंग वंश	पुष्यमित्र शुंग	पाटलिपुत्र
कण्व वंश	वासुदेव	पाटलिपुत्र
सातवाहन वंश	सिमुक	पैठन / प्रतिष्ठान

चेदि वंश	महामेघवाहन	सोत्थीवती/सुक्तिमती
इंडो-ग्रीक वंश	डेमेट्रियस	सियालकोट
कुषाण वंश	कुजुल कडफिसस	पुरुषपुर
कदंब वंश	मयूरशर्मन	बनवासी, बेलगाम
गंग वंश	माधव प्रथम	कोलार
गुप्त वंश	श्रीगुप्त	पाटलिपुत्र
मौखरी वंश	ईशानवर्मन	कन्नौज
हूण वंश	तोरमाण	सियालकोट
पुष्यभूति वंश	पुष्यभूति / नरवर्धन	थानेश्वर, कन्नौज
कर्नाट वंश	नान्यदेव	सिमरौंगढ़
पाल वंश	गोपाल	मुंगेर
सेन वंश	सामंतसेन	गौड़ / लखनौती
राष्ट्रकूट वंश	दंतिवर्मन	मान्यखेत
गुर्जर-प्रतिहार वंश	नागभट्ट प्रथम / हरिश्चंद्र	कन्नौज
कलचुरी-चेदि वंश	कोक्कल्ल प्रथम / वामराज	त्रिपुरी
परमार वंश	कृष्णराज / उपेन्द्र	धार
सोलंकी वंश	मूलराज प्रथम	अन्हिलवाड़
चंदेल वंश	नन्नुक / चन्द्रवर्मा	महोबा, खजुराहो
होल्कर वंश	मल्हार राव होल्कर	इंदौर
गहड़वाल वंश	चंद्रदेव	कन्नौज
चौहान वंश	वासुदेव	अजमेर
तोमर वंश	अनंगपाल	दिल्ली
चालुक्य वंश (बादामी/वातापी)	पुलकेशिन प्रथम	बादामी
चालुक्य वंश (कल्याणी)	तैलप द्वितीय	मान्यखेत
चालुक्य वंश (वेंगी)	विष्णुवर्धन	वेंगी, कांचीपुरम
पल्लव वंश	सिंहविष्णु	तंजावुर
चोल वंश	विजयालय	तंजावुर/तंजौर
गुलाम (दास) वंश	कुतुबुद्दीन ऐबक	दिल्ली
खिलजी वंश	जलालुद्दीन खिलजी	दिल्ली
तुगलक वंश	गयासुद्दीन तुगलक	दिल्ली
सैयद वंश	खिज्र खान	दिल्ली
लोदी वंश	बहलोल लोदी	दिल्ली
संगम वंश	हरिहर एवं बुक्का	विजयनगर
सालुव वंश	नरसिंह	विजयनगर
तुलुव वंश	वीर नरसिंह	पेनुकोंडा

अराविदु वंश	तिरुमल	गुलबर्गा (बीदर)
बहमनी वंश	हसन गंगू	अहमदनगर
निजामशाही वंश	मलिक अहमद	बीजापुर
आदिलशाही वंश	आदिल शाह	बरार
इमादशाही वंश	फतह-उल्ला-इमाद-उल-मुल्क	गोलकुंडा
कुतुबशाही वंश	कुली कुतुब शाह	गोलकुंडा
शर्की वंश	मलिक-उल-शर्क/मलिक सरवर	जौनपुर
मुगल वंश	बाबर	दिल्ली / आगरा
हैदराबाद निजाम वंश	निजाम-उल-मुल्क	हैदराबाद
सिंधिया वंश	राणोजी सिंधिया	ग्वालियर

महत्वपूर्ण युद्ध और लड़ाइयाँ

युद्ध का नाम	वर्ष/समयावधि	परिणाम / विजेता
दशराज्ञ युद्ध	ऋग्वेदिक काल	भरत जन के राजा एवं दस जनजातियों के संघ ने विजय प्राप्त की
हाइडेस्पीज का युद्ध	326 ईसा पूर्व	सिकंदर ने राजा पोरस को पराजित किया
कलिंग युद्ध	261 ईसा पूर्व	अशोक ने कलिंग (महापद्मनाभ) को पराजित किया
रेवा का युद्ध	612 ईस्वी	पुलकेशिन द्वितीय ने हर्ष को पराजित किया
तक्कोलम / पेशावर का युद्ध	1001 ईस्वी	राष्ट्रकूटों ने चोलों को पराजित किया
तराइन का प्रथम युद्ध	1191 ईस्वी	पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गौरी को पराजित किया
तराइन का द्वितीय युद्ध	1192 ईस्वी	मोहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान को पराजित किया
चंदावर का युद्ध	1194 ईस्वी	मोहम्मद गौरी ने जयचंद को पराजित किया
तराइन का तृतीय युद्ध	1215 ईस्वी	इल्तुतमिश ने यल्दौज़ को पराजित किया
सर-ए-पुल का युद्ध	1501 ईस्वी	समरकंद के शैबानी खान ने बाबर को पराजित किया
खतोली का युद्ध	1517 ईस्वी	राणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया
पानीपत का प्रथम युद्ध	1526 ईस्वी	बाबर ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया
खानवा का युद्ध	1527 ईस्वी	बाबर और राणा सांगा के बीच जिसमें बाबर विजयी हुआ
चंदेरी का युद्ध	1528 ईस्वी	बाबर ने मेदिनी राय को पराजित किया
घाघरा का युद्ध	1529 ईस्वी	बाबर ने अफगानों को पराजित किया
दोहरिया/देवरा का युद्ध	1532 ईस्वी	हुमायूँ ने महमूद लोदी को पराजित किया
चौसा का युद्ध	1539 ईस्वी	शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को पराजित किया
कन्नौज का युद्ध	1540 ईस्वी	शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को पराजित किया
मच्छीवाड़ा का युद्ध	1555 ईस्वी	हुमायूँ ने नसीब खान को पराजित किया
सरहिंद का युद्ध	1555 ईस्वी	हुमायूँ ने सिकंदर सूरी को पराजित किया
पानीपत का द्वितीय युद्ध	1556 ईस्वी	अकबर ने हेमू को पराजित किया
तालीकोटा का युद्ध	1565 ईस्वी	बहमनी सल्तनत ने विजयनगर साम्राज्य को पराजित किया

हल्दीघाटी का युद्ध	1576 ईस्वी	अकबर ने महाराणा प्रताप को पराजित किया
धर्मत का युद्ध	1658 ईस्वी	औरंगजेब ने दारा शिकोह को पराजित किया
सामूगढ़ का युद्ध	1658 ईस्वी	औरंगजेब ने दारा शिकोह को पराजित किया
खेड़ा का युद्ध	1707 ईस्वी	छत्रपति शाहू ने ताराबाई को पराजित किया
भोपाल का युद्ध	1737 ईस्वी	बाजीराव ने हैदराबाद के निजाम को पराजित किया
प्रथम कर्नाटक युद्ध	1744–1748 ईस्वी	फ्रांसीसियों ने अंग्रेजों को पराजित किया
प्लासी का युद्ध	1757 ईस्वी	अंग्रेजों ने सिराज-उद-दौला को पराजित किया
बेदरा का युद्ध	1759 ईस्वी	अंग्रेजों ने डचों को पराजित किया
वांडीवाश का युद्ध	1760 ईस्वी	अंग्रेजों ने फ्रांसीसियों को पराजित किया
पानीपत का तृतीय युद्ध	1761 ईस्वी	अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को पराजित किया
बक्सर का युद्ध	1764 ईस्वी	अंग्रेजों ने मीर कासिम, शुजा-उद-दौला और शाह आलम द्वितीय को पराजित किया
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध	1799 ईस्वी	अंग्रेजों ने टीपू सुल्तान को पराजित किया
कोरेगांव का युद्ध	1818 ईस्वी	अंग्रेजों ने मराठों को पराजित किया

मध्यकालीन इतिहास

दिल्ली सल्तनत (1206-1526)

वंश एवं काल	प्रमुख शासक	प्रमुख विशेषताएँ / उपलब्धियाँ
गुलाम (मामलुक) वंश (1206–1290 ई.)	कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रज़िया सुल्तान, बलबन, कैकुबाद, शम्सुद्दीन क्युमर्स	➢ कुतुबुद्दीन ऐबक ने वंश की स्थापना की; कुतुब मीनार की नींव रखी। ➢ इल्तुतमिश: दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक; तुर्कान-ए-चहलगानी (चालीसा दल) की स्थापना। ➢ रज़िया: पहली एवं एकमात्र महिला शासक। ➢ बलबन: "रक्त और लोहा" नीति; पैबोस एवं सिजदा प्रथा; राजसत्ता के दैवीय सिद्धांत पर बल। ➢ कैकुबाद: वंश का अंतिम महत्वपूर्ण शासक।
खिलजी वंश (1290–1320 ई.)	जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, मुबारक खिलजी	➢ जलालुद्दीन: संस्थापक। ➢ अलाउद्दीन: अलाई दरवाजा, सीरी किला, हज़ार खंभा महल, जामा मस्जिद का निर्माण; बाज़ार नियंत्रण नीति, स्थायी सेना, सैनिक वर्दी, घोड़ों पर दाग प्रथा। ➢ मुबारक: स्वयं को खलीफा घोषित किया; वंश का अंतिम शासक।
तुगलक वंश (1320–1414 ई.)	गयासुद्दीन तुगलक, मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोज शाह तुगलक	➢ गयासुद्दीन: संस्थापक। ➢ मुहम्मद बिन तुगलक: अत्यंत विद्वान; अरबी-फारसी का ज्ञाता; चिकित्सक; होली मनाने वाला प्रथम सुल्तान; विचित्र योजनाओं के कारण "पागल" या "रक्तपिपासु" कहा गया। ➢ फिरोज शाह तुगलक: सर्वाधिक नहरों का निर्माण; सती प्रथा पर रोक; जौनपुर की स्थापना।